



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 147]  
No. 147]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 16, 1980/चैत्र 27, 1902  
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 16, 1980/CHAITRA 27, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय  
(वणिज्य विभाग)

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० 7/80

कुला सामान्य लाइसेंस सं० 1/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० प्रा० 256(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा वशिणी अफ्रीका/वशिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से भारत में कच्चे माल और संघटकों को वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) द्वारा निम्न-लिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयात की जाने वाली मर्दे आयात-नीति 1980-81 के परिशिष्ट 3, 5, 6, 7, 8, 9 और 15 के अंतर्गत नहीं आती हैं।
- (2) कच्चे माल एवं संघटक वास्तविक उपयोगता शर्तों के अधीन हैं अर्थात् सम्बद्ध वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के खुद के उपयोग के लिए अपेक्षित हैं।
- (3) वास्तविक उपयोगता इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्दों के उपयोग एवं उपयोग का निर्धारित प्रपत्र एवं वि-धिनुसार उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा निश्चितकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(4) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) वास्तविक उपयोगता के रूप में सम्बद्ध प्राधिकरण के पास अपने लाइसेंस पंजीकरण के विवरण देते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए कि इस प्रकार का पंजीकरण यह नहीं किया गया है या वापिस नहीं लिया गया है या अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है एक बोधना-पत्र सीमा-शुल्क प्राधिकरण को भेजेंगे। उन मामलों में जहाँ सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण संख्या नहीं दी गई है आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकरण की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है। औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत हैं।

(5) जिन वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकरणों के अस्थायी पंजीकरण हैं वे भी इस लाइसेंस के अधीन कच्चे माल और संघटक आयात करने के लिए बाध होंगे।

(6) बड़े पैमाना क्षेत्र के सभी औद्योगिक एकक इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्दों के व्योरे और मूल्य की वसति हुए मद के लिए यथा उपयुक्त एक आर्थिक विवरण महा-निदेशक तकनीकी विकास नई दिल्ली या अन्य सम्बद्ध प्राधिकारियों और इलेक्ट्रॉनिक विभाग को भेजेंगे। छोटे पैमाना क्षेत्र के औद्योगिक एककों को उसी प्रकार के विवरण सम्बद्ध क्षेत्रीय या आयात लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजने चाहिए।

ये विवरण 31 अगस्त 1980 और 28 फरवरी 1981 को भेजे जायेंगे। ऐसी प्रत्येक विवरण दर्शाई गई अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

- (7) ये लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन भी होगा।
- (8) मानव-निर्मित रेशों मोटे सन और तागों के संबंध में पात्र आयातकों को अपनी संविदाएं बन्धन आयुक्त बंबई के पास पंजीकृत करवानी चाहिए। आयात तभी किए जाएंगे जब संबंधित संविदाओं पर बन्धन आयुक्त बंबई द्वारा ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में मोहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए संविदा की दो प्रतियां बन्धन आयुक्त के पास रखी जाएंगी और वह पार्टी को एक प्रति वापिस कर देगा जिनके प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत् मोहर लगी होगी।
- (9) जैसा कि ऊपर 8 में दिया गया है बन्धन आयुक्त के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्त के अधीन पात्र वास्तविक उपयोगकर्ताओं के वितरण के लिए मानव-निर्मित रेशे मोटा सन और तागे भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य रामायन एवं भेषज निगम (सी पी सी) द्वारा आयात किए जा सकते हैं।
- (10) कोर्पोरेटम के आयात के मामले में आयात को स्वीकृति केवल पेट्रोलियम रासायन एवं उर्वरक संजालय (पेट्रोलियम विभाग) के पास पंजीकृत संविदाओं के आधार पर दी जाएगी। आयात पेट्रोलियम विभाग नहीं विल्ली द्वारा सम्बद्ध संविदाओं पर पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में मोहर लगाने के बाद ही किए जाएंगे। इस प्रयोजन के लिए संविदाओं की दो प्रतियां पेट्रोलियम विभाग के पास जमा करनी चाहिए और वह प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत् मोहर लगाने के बाद संविदा की एक प्रति पार्टी को लौटा देंगे।
- (11) (1) ऊनी चिथड़ों/रुई ऊन के मामले में आयातित माल को निकासी सीमा-शुल्क निकासी माल के पूर्ण विकृत होने के बाद ही दी जाएगी।
- (2) इस प्रयोजन के लिए ऊनी चिथड़ों की परिभाषा इस प्रकार की गई है :—
- (क) "नए"—ऊनी कपड़े के अवशेष जहाँ वह बने हुए या कट्टाई किए हुए कपड़े के हों और जो वर्तों की कट्टाई करने के बाद बच जाते हों इनमें वर्तों द्वारा काट दिए गए वास्तविक टुकड़े त्याग दिए गए नमूने और सेम्पल बिंदु भी शामिल हैं।
- (ख) "पुराने"—ऊनी कपड़े के वह चिथड़े (कट्टाई किए हुए और काटे से बने हुए कपड़ों सहित) जो रुई यार्न के विनिर्माण के लिए आवश्यक हों और उनमें सजावटी मर्दे या फटे हुए कपड़े मौले कपड़े या ऐसे कपड़े जो इस प्रकार से फट गए हों जिनकी धुलाई या मरम्मत नहीं की जा सकती हो शामिल हैं।
- (12) महामारी नाशक और कीटनाशक सहित कीटनाशक के मामलों में सम्बद्ध वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) प्रत्येक माल के परेषण की निकासी के मान दिनों के भीतर आयातित मद उसकी मात्रा और उसका लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के ध्योरे कृषि विभाग (वनस्पति संरक्षण विभाग नहीं विल्ली) को सूचित करेगा।
- (13) इस लाइसेंस के अधीन आयात द्वारा सम्बद्ध औद्योगिक एकक का उत्पादन स्वीकृत प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा

और सम्बद्ध एकक अपनी अनुमोदित वरण-बद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेंगे।

- (14) इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित नहीं किया गया है।
- (15) इस प्रकार के माल के पोतलदान किसी भी रियायती अवधि चाहे वह जो कुछ भी हो 28-2-1981 को या इससे पूर्व खोले गए अपरिचर्तनीय साखपत्रों के मद्दे 31 मार्च, 1981 को या इससे पूर्व भारत के लिए परेषण के माध्यम से कर दिए गए जाते हों।
- (16) किसी भी माल के आवेदन पत्र पर उनके आयात पर कोई भी निषेध या विनियम जो उस माल का आयात करते समय लागू थे, प्रभावित करते हैं तो उनका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं होगा।
- (17) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी आवश्यकता को अनुपालन करने से कोई प्रतिरक्षा छूट या हीन प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू सभी अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिगिल सं० आई पी सी/3/8/80]

## MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

### IMPORT TRADE CONTROL

Order No. 7/80

Open General Licence No. 1/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 256(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial), subject to the following conditions :—

- (1) The items to be imported are not covered by Appendices 3, 5, 6, 7, 8, 9 and 15 of the Import Policy, 1980-81;
- (2) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the Actual User condition;
- (3) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it;
- (4) Actual Users (Industrial), at the time of clearance of the goods, shall furnish to the customs authorities a declaration giving particulars of their licence/registration as Actual Users with the concerned authority and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit.

- (5) Actual Users (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials and components under this Licence;

All Industrial units in large scale sector shall submit to the DGTD, New Delhi or other sponsoring authorities concerned, and the Department of Electronics, New Delhi, as appropriate to the item, periodical returns, indicating the description and the value of the items imported under this Licence. Industrial unit in the small scale sector should send similar returns to the regional licensing authorities concerned. These returns shall be furnished as on 31st August, 1980 and 28th February, 1981. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated;

- (7) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

- (8) In respect of man-made fibres, tow and yarns, every eligible importer shall be required to register his contracts with the Textile Commissioner, Bombay. Imports shall be made only after the connected contracts have been stamped by the Textile Commissioner, Bombay as evidence of such registration. (For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the Textile Commissioner and he will return one copy to the party duly stamped on each page);

- (9) Import of man-made fibres, tow and yarns under this Licence can be made by the State Chemicals and Pharmaceutical Corporation of India (CPC), New Delhi for distribution to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in (8) above.

- (10) In the case of Caprolactum, import will be allowed only on the basis of the import contracts registered with the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers (Department of Petroleum). Imports shall be made only after the connected contracts have been stamped by the Department of petroleum, New Delhi as evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the Department of Petroleum and they will return one copy to the party duly stamped on each page.

- (11) (i) In the case of woollen rags/shoddy wool, clearance of imported goods will be allowed by the Customs authorities only after the goods have been completed multilated.

- (ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :—

- (a) 'New'—waste woollen cloth whether woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern bunches and sample bits.

- (b) 'Old'—Rags of woollen textile fabrics (including knitted and crocheted fabrics), which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles of furnishing or clothing or other clothing so worn out, soiled or torn as to be beyond cleaning or repair.

- (12) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual User (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, intimate to the Department of Agriculture (Plant Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof;

- (13) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed/authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme;

- (14) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;

- (15) Such goods are shipped on though consignment to India on or before 31st March, 1981 or on or before 30-6-1981 against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened on or before 28-2-1981, without any grace period what-so-ever;

- (16) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted.

- (17) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० 8/80

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 2/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

क्र० प्र० 257 (प्र) :—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार ए.ए.डी. द्वारा 1980-81 की आयात-निर्यात के परिशिष्ट 2 में विशिष्टीकृत विवरण के पूंजीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयातक वास्तविक उपयोक्ता शर्त के साथ अपने निजी कारखाने वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यवसायिक कार्यालय या अन्य सम्बद्ध परिसर में उपयोग के लिए ऐसी मशीनों की आवश्यकता रखते हुए, महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के सम्बद्ध उद्द्योग निदेशक या अन्य सम्बद्ध प्रयोक्ता या सरकारी प्राधिकारी के साथ पूंजीकृत एक वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक या गैर औद्योगिक) हो।

- (2) उक्त परिशिष्ट 2 के भाग 'प्र' में प्रदर्शित पूंजीगत माल के मामले में आयात की अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दी जाएगी।

- (क) आयात के लिए चाही गई मशीनों का मूल्य 10.00 लाख रुपये (सात-बीस-भाइस) से अधिक न हो।

- (ख) आयात किए जाने वाले पूंजीगत माल के मूल्य के बावजूद भी आयात-निर्यात क्रियाविधि हेतु 1980-81 में निर्धारित की गई विज्ञान क्रियाविधि का पालन किया जाएगा।

- (ग) विज्ञापन की तारीख से 45 दिनों तक प्रतीक्षा करने के बाद हरादा रखने वाला आयातक, आयात-निर्यात क्रियाविधि हेतु 1980-81 में निर्धारित फार्म में इस संबंध में एक शपथपत्र देगा तथा उपयुक्त स्थायिक प्राधिकारी के सामने शपथ लेगा कि उसने अपनी आवश्यकता को निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार विज्ञापित किया था और वह यह भी कि विज्ञापित मशीनें उक्त परिशिष्ट 2 के भाग 'ख' में शामिल हैं,

- (घ) शपथपत्र के साथ उपर्युक्त शपथ पत्र तथा विज्ञापन की मूल प्रति विदेशी मुद्रा की प्राधिकृत व्यापारी को भेजने चाहिए।

- (ङ) इसके साथ साथ आयातक तकनीकी विकास महानिदेशक, नई दिल्ली की एक विवरण भेजेगा, जिसमें विज्ञापन के

उत्तर में किसी भारतीय विनिर्माता/संभरणकर्ता से प्राप्त पेशकशों का पूरा ध्यान तथा साथ ही आयात के लिए चाहे गए पूंजीगत माल का ध्यान होगा।

ORDER NO. 8/80

Open General Licence No. 2/80

New Delhi, the 15th April, 1980

- (3) विषयवाचीन पूंजीगत माल के आयात द्वारा आरक्षक का उत्पादन लाइसेंस प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा।
- (4) इस तरह आयातित माल एक नया माल होगा और पुराने भण्डार मरम्मत की गई मालों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी और किसी भी मद के लिए आस्थगन भुगतान की अनुमति भी नहीं दी जाएगी।
- (5) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगिता (गैर-औद्योगिक) दुकान और स्थापन अधिनियम सिनेमाटोग्राफिक अधिनियम अथवा उनको आयात के लिए हकदार बनाने के लिए उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अंतर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र की मूल अथवा फोटोस्टैट (वर्तमान समय में वैध) प्रति सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे।
- (6) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक), वास्तविक उपयोगिता के रूप में संबद्ध प्राधिकरण के पास अपने लाइसेंस पंजीकरण के विवरण देते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए कि इस प्रकार का पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वापिस नहीं लिया गया है या अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है, एक घोषणापत्र सीमा शुल्क प्राधिकरण को भेजेगा। उन मामलों में जहाँ सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण सं० नहीं दी गई है, आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकरण की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है।
- (7) आयात किए गए पूंजीगत माल का विवरण देते हुए और 31 अगस्त, 1980 या 28 फरवरी, 1981 को उनके लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक को आवश्यक विवरण पत्र भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरण पत्र निश्चित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) ये माल 31 मार्च, 1981 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाए जो भी हो भारत को प्रेषण के जरिए भेजे गए हों या 28-2-1981 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पम्की संविदा के मुद्दे 31-3-1982 को या इससे पूर्व लवान कर दिए गए हों।
- (10) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनु-सूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगा।
- (11) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी विशेष अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

**S.O. 257(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods of the description specified in Appendix-2 of Import Policy for 1980-81, subject to the following conditions :

- (i) The importer is an Actual User (Industrial) or (Non-Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or the Government authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, Institution, professional office or other premises concerned, subject to "Actual User" condition.
- (ii) In the case of Capital Goods appearing in Part 'B' of the said Appendix 2, import will be allowed subject to the following conditions :—
  - (a) The value of the items sought to be imported does not exceed Rs. 10.00 lakhs (C.I.F.);
  - (b) The advertisement procedure laid down in the Hand Book of Import-Export Procedures, 1980-81 shall be followed, irrespective of the value of Capital Goods sought to be imported;
  - (c) After waiting for 45 days from the date of advertisement, the intending importer will execute an affidavit in the prescribed form given in Hand Book of Import-Export Procedures, 1980-81 and sworn before an appropriate judicial authority to the effect that he had advertised, according to the prescribed procedure, his requirements and that the items advertised are covered by Part 'B' of the said Appendix 2;
  - (d) The above affidavit and the original copy of the advertisement should accompany the application to be made to the authorised dealer in foreign exchange;
  - (e) The importer shall simultaneously send to the D.G.T.D., New Delhi, a statement showing full details of offers, if any, received from any of the Indian manufacturers/suppliers, in response to the advertisement as well as the details of the Capital Goods sought to be imported.
- (iii) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity;
- (iv) The goods so imported shall be of new manufacture. No second-hand or reconditioned items will be permitted for import. No deferred payment arrangements will also be permitted for any of the items;
- (v) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods, furnish to the customs authorities the original or a photostat copy of the (currently valid) Registration Certificate held by them under the Shops and Establishments Act, Cinematographic Act, or concerned local statute, entitling them to effect the imports;
- (vi) Actual User (Industrial) shall produce to the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his licence/registration, as an industrial unit with the concerned authorities, and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit;

[मिनिम सं० आई पी सी 3/8/80 से जारी]

- (vii) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the CCI&E, New Delhi, giving the description of Capital Goods imported and their C.I.F. value as on 31st August, 1980, and 28th February, 1981. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated;
- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981, or shipped on or before the 31st March, 1982 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1981, without any grace period whatsoever;
- (x) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (xi) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, if any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

आवेश सं० 9/80

छुला सामान्य लाइसेंस सं० 3/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० आ० 258 (अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से 1980-81 की आयात नीति की निषेध मर्दों की सूची (परिशिष्ट-3 तथा 6) से भिन्न अर्थात् वे सभी पुर्जों जो फालतू पुर्जों के रूप में अपेक्षित हैं, अनुमेय फालतू पुर्जों का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है तथा जो पूंजीगत माल के अनुपक्षण के लिए अपेक्षित हैं जिनमें अनुषंगी, सहायक उपस्कर, नियंत्रण तथा लेबोरेटरी उपस्कर तथा सुरक्षा संयंत्र भी शामिल हैं जिनमें वास्तविक उपयोगकर्ताओं (औद्योगिक) और (गैरऔद्योगिक) द्वारा 1 अप्रैल, 1980 को स्थापित किया गया था का आयात उनके द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा था:—

- (1) वास्तविक प्रयोक्ता (औद्योगिक) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को अपने औद्योगिक लाइसेंसों/पंजीकरण प्रमाणपत्रों का विवरण देने हुए एक ऐसा घोषणापत्र देगे जिससे इस बात की पुष्टि होगी कि इन पंजीकरणों को निरमित नहीं किया गया अथवा वापिस नहीं लिया गया है अथवा उनका अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है। जिन मामलों में सम्बन्धित प्रायोजक पृथक पंजीकरण प्राधिकारियों द्वारा नियत नहीं किया गया है, आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की इस सन्तुष्टि के लिए अन्य प्रमाण प्रस्तुत करेगा कि वह अनुमेय है। औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है।
- (2) माल की निकासी के समय प्रयोक्ता (गैर-औद्योगिक) दुकान और स्थापना अधिनियम सिनिमेंटोग्राफिक अधिनियम अथवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र की मूल अथवा फोटोस्टेट (वर्तमान समय में वैध) प्रति सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगे जो आयात को प्रसार्थी बनाने के लिए उन्हें हकदार बनाएगी।
- (3) संगणक प्रणाली के मामले में अनुमेय फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति आयातित संगणक के लागत बीमा-भाड़ा-मूल्य के 3 प्रतिशत पर या देशी विनिर्मित संगणक प्रणाली खरीद मूल्य के

1/2 प्रतिशत पर दी जाएगी अ आयातित माल की निकासी के समय, जैसा भी मामला हो आयात की सीमा-शुल्क प्राधिकारी को सन्वी लेखापाल/लागत लेखा पाल या सम्बन्धित प्रायोजित प्राधिकारी की लागत बीमा भाड़ा मूल्य या संगणक प्रणाली की खरीद मूल्य को प्रदर्शित करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें इस सम्बन्ध में एक घोषणापत्र भी देना चाहिए जिस परेषण की निकासी की जाती है उसके लागत बीमा भाड़ा मूल्य सहित उसी अवधि में इस प्रकार से पहले ही आयात किए गए माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य अनुमेय सीमा से ज्यादा नहीं हो। सन्वी/लागत लेखापाल को आर्थिक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भारीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

- (4) वे लघु क्षेत्र के एकक जिनके अन्तर्गत पंजीकरण सम्बद्ध प्रायोजित प्राधिकारियों के पास हैं, वास्तविक प्रयोक्ताओं की ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रत लाइसेंस के अन्तर्गत माल आयात करने के पात्र हैं।
- (5) वास्तविक उपयोगकर्ता इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल के उपयोग का निर्धारित रूप और विधि से उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखा को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगी।
- (7) वास्तविक उपयोगकर्ता 31-8-1980 और 28-2-1981 को नीचे लिखे गए प्राधिकारियों को एक आधिकारिक विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें (क) आयातित मर्दों के कुल लागत बीमा-भाड़ा मूल्य और (ख) ऐसी आयातित मर्दों के व्यंगे जिन का कुल लागत बीमा-भाड़ा मूल्य 2 लाख रुपये से अधिक हो को दर्शाया जाएगा:—

- (1) बृहत पैमाने के क्षेत्र में औद्योगिक एककों के मामले में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी;
- (2) अन्य वास्तविक उपयोगकर्ताओं के मामले में सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी।

प्रत्येक ऐसा विवरण उपर्युक्त संकेतित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) ये माल 31 मार्च 1981 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाये जो भी हो भारत को परेषण के जरिए भेजे जाते हैं या 28-2-1981 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की सन्दिदा के मद्दे 31-3-1982 को या इससे पूर्व लदान कर दिए जाते हैं।
- (10) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिसिल संख्या—आर्थीपीसी/3/8/80 से जारी]

## ORDER NO. 9/80

New Delhi, the 15th April, 1980

S.O. 258(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947, (18 of 1947) the Central Government hereby gives the general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, "permissible" spares i.e. all those parts required as spares, other than the items appearing in the banned lists (Appendices 3 and 6) in the Import Policy, 1980-81, as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control and laboratory equipments and safety appliances, installed or in use as on 1st April, 1980, by Actual Users (Industrial) as well as (Non-Industrial), subject to the following conditions :—

- (i) Actual Users (Industrial) will furnish to the customs authorities, at the time of clearance, a declaration giving particulars of their industrial licences/registration certificate as appropriate and solemnly affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit ;
- (ii) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the customs authorities, the original or a photostat copy of the (currently valid) registration certificates held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the imports ;
- (iii) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 3 per cent of the c.i.f. value of imported computers or 1/2 per cent of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the customs authorities, a certificate from Chartered/Cost Accountants or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered/Cost Accountant should not be a partner or a Director or an employee of the applicant firm or its associates.
- (iv) Small scale units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to Actual User condition.
- (v) The Actual User shall maintain proper account of Utilization of the goods imported under this licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (vi) This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (vii) The Actual Users shall furnish periodical Returns, as on 31-8-1980 and 28-2-1981, to the authorities mentioned below, indicating (a) the total c.i.f. value of the items imported and (b) description of such of the items imported of which the total c.i.f. value exceeds Rs. 2 lakhs :—
  - (i) sponsoring authorities concerned in the case of industrial units in the large scale sector ; and
  - (ii) regional import licensing authorities concerned, in the case of other Actual Users.

Each such Return shall be sent within 15 days of the close of the period indicated.

- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa ;
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981, or shipped on or before 31st March, 1982 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1981, without any grace period whatsoever.
- (x) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

प्रदेश सं० 10/80

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-4/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

ख० प्र० 259(प्र) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए केंद्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से नीचे विनिर्दिष्ट माल का आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) 1,000 रुपए मूल्य तक के व्यापार सम्बन्धी सूची पत्रों और परिपत्रों के मुफ्त उपहार,
- (2) मशीनरी और संयंत्र स्थानों, कार्य और निर्माण अनुसंधान आकांक्षा में सम्बन्धित वे व्यक्ति और इकाई (माइक्रो-फिल्म सहित) जो मुफ्त में संभरित किए जाते हैं और जिनका कोई भी धार्मिक/सैन्य नहीं है,
- (3) एक प्रेषण में 2,000 रुपए के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किए जाने वाले मूल तकनीकी और व्यापार सम्बन्धी नमूने जिनमें वनस्पति बीज, मधु-मक्खियों, चाय और नए भेषज शामिल नहीं हैं,
- (4) एक ही प्रेषण में 2,000 रुपए के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किए जाने वाले मूल विज्ञापन सम्बन्धी माल,
- (5) विदेशी संभरकों द्वारा मुफ्त में संभरित माल या जो माल पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए दृष्टिपूर्ण या अनुपयुक्त पाया गया हो या आयात के बाद खो गया हो/टूट-फूट गया हो उसके बदले में किसी बीमा कम्पनी द्वारा तय किए गए बीमा (समुद्रीय) या समुद्रीय व निर्यात दावे के मद्दे आयातित माल, जिनमें कि :—
  - (क) प्रतिस्थापन वाले माल का पान लदान पहले आयात किए गए माल की सीमा-शुल्क के माध्यम से निष्कासी की तिथि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मशीनों और उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 24 महीनों से अधिक हो तो पोललवान गारंटी अवधि के भीतर किया गया हो,
  - (ख) जिन मामलों में विदेशी संभरकों द्वारा माल का प्रतिस्थापन बीमे के भुगतान के अधीन हो और/या आयातक द्वारा भाड़ा चुकाए जाने की शर्त के अधीन हो और धन परेषण करने समय इस सम्बन्ध में वस्तावेजों और साक्ष्य प्रस्तुत किया गया हो उन मामलों में बीमे और भाड़े के भुगतान को छोड़कर किसी भी धन परेषण की अनुमति नहीं दी जाएगी,

(ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे :—

- (1) मुफ्त प्रतिस्थापन के मामले में मुफ्त संभरित किए जा रहे माल के माध्य के रूप में विदेशी संभरक से मूल पत्र,
- (2) लाइसेंस एजेंट या किसी अन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षकों के द्वारा जारी किया गया सर्वेक्षण प्रमाणपत्र या मशीन या उसके पुर्जों के मामले में एक व्यवसायिक स्वाधीन मन्दी इंजीनियर (या सरकारी विभाग या सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम के मामले में मुख्य कार्यकारी) से इस सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र कि पहले आयात किया गया माल वास्तव में कृत्रिम तथा में प्राप्त किया गया था और उसके बचने में प्रतिस्थापन माल की आवश्यकता थी,
- (3) मशीनों या उनके पुर्जों के जिन मामलों में पोतल-बान उपर्युक्त उप-अनुच्छेद (क) में निर्धारित 24 महीनों की अवधि के बाद किया गया हो उनमें विदेशी निर्यातकों या माल परेषकों द्वारा दी गई गारन्टी की अवधि प्रदर्शित करने हुए साक्ष्य,
- (4) नष्ट धन परेषण वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कम्पनी द्वारा बाबे के समझौते का साक्ष्य/प्रतिस्थापन आयातों की अनुमति बीमा कम्पनी द्वारा तय किए गए बाबे के मूल्य तक दी जाएगी।
- (6) भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व लिखित अनुमोदन से और उसके द्वारा निर्धारित किसी भी शर्त के अधीन क्लिनिकल ट्रेलों के लिए मुफ्त में संभरित किए गए शेषज और औषधियां। औषधि नियंत्रक के अनुमोदन को माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत करना होगा।
- (7) भारत में विदेशी संभरकों के एक माल एजेंटों को मुफ्त में संभरित किए गए शेषजों और औषधियों के मूल व्यापार नमूने जो एक परेषण में 10,000 रुपये लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक हों और माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए उनको प्रस्तुत किए जाने के लिए भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश के साथ हों।
- (8) औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश पर निशुल्क अथवा भुगतान के मुद्दे भेजा गया मानव वैक्सीन और सीरा जिसके लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाती है।
- (9) राज्य पशु पालन निवेशक अथवा पशु पालन आयुक्त, भारत सरकार, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश पर निशुल्क अथवा भुगतान के मुद्दे भेजे गए पशु टीके जिसमें सुर्गी-पालन टीके भी शामिल हैं, जिनके लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाती है।
- (10) कृषि विभाग, नई दिल्ली के अधीन केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड के लिखित अनुमोदन पर मुफ्त संभरित किए गए कीटनाशकों (महासारी नाशक और घास-घात नाशक सहित) के तकनीकी और व्यापार नमूने जिनके लिए लिखित अनुमति निकासी

के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाती है।

- (11) उपर्युक्त क्रम सं० 6 से 10 में दर्शाई गई सबों के सम्बन्ध में, जहां पर मुद्दे मुफ्त भेजे गई हों अनुमेय माल के आयात की अनुमति उपभोक्ता या खुदरा पैकिंग में नहीं होगी और प्रेषित माल पर साफ-साफ अक्षरों से "नमूने बिजली के लिए नहीं" अंकित होगा।
- (12) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित व्यापार सूची-पत्र एवं परिवर्तन खाते एवं ड्राईंग और तकनीकी अथवा व्यापार नमूने आयातकों के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा।
- (13) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावित करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (14) यह लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस संख्या 4/79 का अर्ध-कमण करता है जो कि आयात व्यापार नियंत्रण आदेश संख्या-13/79, दिनांक 3 मई, 1979 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था।

[मिसिल संख्या-आईपीसी/3/80 से जारी]

ORDER NO. 10/80

Open General Licence No. 4/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 259(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission for importation of the goods specified below from any country in the world, except the Union of South Africa/South West Africa :—

- (1) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000;
- (2) Blue prints and drawings (including micro-films) relating to machinery and plant sites, work and building, research data, supplied free of charge and having no commercial value;
- (3) Bona fide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, bees, tea and new drugs;
- (4) Bona fide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.f. value in one consignment;
- (5) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit for use or lost/damaged after import, provided that ;
- (a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the Customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 24 months;
- (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance;
- (c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods :—

- (i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of free replacements ;
- (ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional, independent chartered engineer, (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public sector undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement ;
- (iii) evidence showing the period of guarantee given by the foreign manufacturers or consignors in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above ;
- (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company.
- (6) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance ;
- (7) Bona fide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance ;
- (8) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance ;
- (9) Animal including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of either the State Director of Animal Husbandary or the Animal Husbandary Commissioner to the Government of India, New Delhi, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance ;
- (10) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the written approval of the Central Insecticides Board under the Department of Agriculture, New Delhi, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance ;
- (11) In respect of items covered by Sl. Nos. (6) to (10) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible material shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale";
- (12) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold ;
- (13) This licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported ;
- (14) This licence is in supersession of Open General Licence No. 4/79 published vide Import Trade Control Order No. 13/79, dated the 3rd May, 1979.

आदेश सं० 11/80

बुला सामान्य लाइसेंस संख्या-5/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० आ० 260 (अ):—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण), अधिनियम 1917 (1917 का 18) की धारा-3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकांशों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी अनुसंधान एवं विकास इकाई वैज्ञानिक अथवा अनुसंधान प्रयोगशाला, उच्च शिक्षा संस्थान एवं चिकित्सालय जो केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत है, द्वारा अपेक्षित कच्चे माल संघटकों, उपभोग्य, मशीनरी, उपकरण, उपस्कर, उप-साधक और फालतू पुर्जों की मदों का दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ की छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) आयातक निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को जैसा भी मामला हो, केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा अपनी मान्यता का विवरण देने हुए और यह घोषणा करने हुए कि आयातित मर्चे उनके अपने उपयोग के लिए अपेक्षित है। एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान और विकास एककों के मामले में, वे यह भी घोषणा करेंगी कि आयातित माल अनुसंधान और विकास के प्रयोजनार्थ चाहिए।
- (2) उपभोग्य माल की मद जिनका विवरण किसी भी प्रकार से किया गया हो, इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमेष नहीं होंगी।
- (3) इस प्रकार आयातित माल का उत्पादन अथवा विनिर्माण दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में नहीं किया गया है।
- (4) कम्प्यूटर प्रणाली और फालतू पुर्जों के सम्बन्ध में आयात की अनुमति इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली द्वारा निकासी प्रदान करने पर ही दी जाएगी।
- (5) आयातक पत्तन से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतित प्राधिकारी को प्रत्येक एक लाख रुपये अथवा इससे अधिक मूल्य के लिए, उनके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा।
  - (1) अनुसंधान एवं विकास एककों और वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, नई दिल्ली।
  - (2) इलेक्ट्रॉनिक मदों के सम्बन्ध में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, नई दिल्ली।
  - (3) तकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली को उन मामलों में जहाँ पर एकक उनके पास पंजीकृत किया गया हो।
  - (4) 6 चिकित्सालय और उच्च शिक्षा संस्थानों के मामले में, जैसा भी मामला हो, सम्बन्धित केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार का प्रशासकीय मंत्रालय,
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के भी अधीन होगा।
- (7) ऐसे माल बिना किसी बढ़ाई गई अवधि के जो भी कुछ हो, 31 मार्च, 1981 तक अथवा उससे पूर्व भारत में प्रेषित किए गए हो अथवा 28 फरवरी, 1981 को या उससे पहले विदेशी मुद्रा विनिमय के व्यापारी (बैंक) के साथ की गई पक्की संधिदा और पंजीकरण के मुद्दे/मशीनरी/उपकरण/फालतू



पुर्जा के मामले में जो 31 मार्च 1982 को अथवा इससे पहले प्रेषित किए गए हों।

- (8) इस लाइसेंस के अंतर्गत ऐसे माल के आयात के समय किसी भी वस्तु के लिए लागू उनके आयात पर प्रभाव डालने वाला किसी भी निषेध अथवा विनियम का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मिश्रित गणना-3/8/80 आईपीसी]

ORDER NO 11/80

Open General Licence No. 5/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 260(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories and spares, required by any research and development unit, scientific or research laboratory, institution of higher education and hospitals, recognised by the Central or a State Governments, subject to the following conditions :—

- (i) The importer shall produce to the customs authorities, at the time of clearance, a declaration giving particulars of his recognition by Central or State Government, as the case may be, and declaring that the items imported are required for his own use. In the case of R & D units, they shall also declare that the imported item is required for R & D purposes.
- (ii) Items of consumer goods, howsoever described, shall not be permitted for import under this Licence.
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa.
- (iv) In respect of computer systems and spares the import will be allowed on production of clearance by the Department of Electronics, New Delhi.
- (v) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from Customs; the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more :—
  - (i) Department of Science & Technology, New Delhi, in the case of R & D units and Scientific and Research Laboratories,
  - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items,
  - (iii) DGTD, New Delhi, in the case of units registered with them,
  - (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be, in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (vi) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (vii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981 or, in case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March, 1982 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1981, without any grace period whatsoever.
- (viii) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० 12/80

पुला सामान्य लाइसेंस संख्या-6/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

**का० प्रा० 261 (अ).**—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात नीति 1980-81 के परिशिष्ट 8 और 9 में निहित सम्बद्ध मदों के सामने उल्लिखित मनाहीत मार्चनिक क्षेत्र (सरणीबद्ध) अधिकरणों द्वारा उक्त परिशिष्ट में परिशिष्टकृत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे।
- (2) आयातित माल का वितरण सम्बद्ध सरणीबद्ध अधिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जाएगा;
- (3) इन तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो;
- (4) भारत को ऐसे माल का खदान बिना किसी रियायती शर्तों के चाहे जो कुछ भी हो 30 नवम्बर, 1981 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं। यद्यपि कि 31 मार्च 1981 को या इससे पहले इसके आदेश कर दिए गए हैं;
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के भी अधीन होगा;
- (6) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध या उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिश्रित सं० आई पी सी/3/8/80]

ORDER NO. 12/80

Open General Licence No. 6/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 261(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the goods of the description specified in Appendix 8 and Appendix 9 of Import Policy, 1980-81, by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendices, subject to the following conditions :—

- (i) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose;
- (ii) Imported goods shall be distributed by the Canalising Agency concerned in accordance with the policy and procedure laid down;
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (iv) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September, 1981, without any grace period, whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March, 1981;
- (v) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(vi) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the imports thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० 13/80

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-7/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० प्रा० 262 (अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जिगों, जुड़नारों, मोल्ड्स (आया कस्टिंग के लिये मोल्ड्स सहित) और प्रेस औजारों (1980-81 की आयात-नीति के परिशिष्ट 3 में प्रदर्शित से भिन्न) के भारत में आयात की सामान्य अनुमति दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्न-लिखित शर्तों के अधीन देती है :—

- (1) आयातक अपने निजी संस्थान में उपयोग के लिये ऐसी मर्चों की आवश्यकता रखते हुए महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या सम्बद्ध राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य सम्बद्ध प्रयोजन प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उप-योक्ता (औद्योगिक) हो;
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। किसी भी पुरानी या मरम्मत की हुई मर्च के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी भी मर्च के लिये किसी भी आरक्षणित भुगतान व्यवस्था की अनुमति नहीं दी जाएगी;
- (3) औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण के बिना देते हुए संबद्ध वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) माल की निकासी के समय सम्बद्ध सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणापत्र यह स्पष्ट करते हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रभावी किया गया है। जिन मामलों में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग पंजीकरण सं० आवंटित न की गई हो उनमें आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिये अन्य उचित साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (4) 31 अगस्त, 1980 और 28 फरवरी, 1981 की स्थिति के अनुसार आयातित पंजीकृत माल और उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक को आवधिक विवरणपत्र भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरणपत्र निविष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।
- (6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
- (7) ऐसे माल का पोतलदान 31 मार्च 1981 को या इससे पूर्व भारत की प्रेषण के माध्यम से या 28-2-1981 को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय साख पत्रों के लिए पक्के आदेशों के मद्दे 31 मार्च 1982 को या इससे पूर्व कर दिया गया हो और जो कुछ भी हो इसमें किसी किस्म की रियायती अवधि की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
- (8) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिसिल सं० 3/8/80]

ORDER NO. 13/80

Open General Licence No. 7/80

New Delhi, the 15th April, 1980

S.O. 262(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa jigs, fixtures, moulds (including moulds for diecasting) and press tools (other than those appearing in Appendix 3 of the Import Policy, 1980-81), subject to the following conditions :—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking;
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture. No second-hand or reconditioned items will be permitted for import. No deferred payment arrangements will also be permitted for any of the items;
- (3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial licence/Registration Certificate and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities;
- (4) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, giving the description of the goods imported and their c.i.f. value, as on 31st August, 1980 and 28th February, 1981. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated;
- (5) This Licence shall also be subject to Condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981, or on or before 31st March, 1982 against firm orders for which irrevocable letters of credits are opened on or before 28-2-1981, without any grace period, whatsoever;
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० 14/80

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-8/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० प्रा० 263 (अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग (ओ० एन० जी० सी०) और आयात इंडिया लि०, द्वारा कच्चे माल की सभी मर्चों, संघटकों, उपभोग्य, मशीनरी, उपकरण, उप-साधकों और फालनू पत्रों (किन्तु उपभोग्य

माल को छोड़कर चाहे उसका उल्लेख किसी भी प्रकार क्यों न किया गया हो) का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :-

आयात के लिए स्वीकृत मर्चें वही मर्चें होंगी जिनकी देशी दृष्टि से महानिर्देशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो। जहाँ किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मर्च से 5 लाख रुपये के लागत बीमा-भाड़े मूल्य के या इससे अधिक अवधि मूल्य के प्रतिफलित उपकरण और समुच्चय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मूल्य को ध्यान में रखे बिना इनके पूर्ण शामिल हों तो आयात की स्वीकृति इलेक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान करने के बाद ही दी जाएगी। इस संबंध में साक्ष्य सीमा शुल्क प्राधिकारियों को भेजे जाएंगे।

- (2) आयात इस प्रगोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मर्चे किए जाएंगे।
- (3) आयात "वास्तविक उपभोक्ता" शर्त के अधीन होगा।
- (4) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त-1 के अधीन होगा।
- (5) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (6) भारत को ऐसे माल का खदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 31 मार्च, 1981 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं या मशीनरी और फालतू पुर्जों के मामले में इनका खदान 28-2-81 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मर्चे 31 मार्च, 1982 को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।
- (7) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिसिल सं० आई पी सी/3/80 से जारी]

ORDER NO. 14/80

Open General Licence No. 8/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 263(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, all items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories and spares (but not consumer goods how-so-ever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC) and Oil India Ltd., subject to the following conditions :—

(1) The items permitted for import shall be those cleared by the DGT, New Delhi from indigenous angle. Where import of any electronics items including facsimile equipment for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronics equipment and parts irrespective of value, is involved, the import shall be allowed only after clearance is given by the Department of Electronics. Evidence to the effect shall be produced to the customs authorities.

(2) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose.

(3) The import shall be subject to "Actual User" condition.

(4) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(6) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981, or, in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March, 1982 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 28th February, 1981, without any grace period what-so-ever.

(7) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

[Issued from File No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० 15/80

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-9/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

**का० आ० 264(अ) :**—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित शर्तों के अधीन, एयर इण्डिया, इण्डियन एयरलाइन्स और अन्य उन एयर लाइन को जो आईएटीए के सदस्य हैं, फालतू पुर्जों, उपभोग्य सामग्री (1980-81 की आयात नीति के परिशिष्ट 9 के अंतर्गत आने वाली प्रीज और स्नेहक को छोड़कर) एयरक्राफ्ट के टायर और ट्यूब, पुस्तिकाओं, तकनीकी श्रृंखला और उनके द्वारा संचालित और रक्षित एयरक्राफ्ट के फ्लीट से संबंधित निदर्शन और अन्य तकनीकी साहित्य और संबंधित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को आयात करने की स्वीकृति प्रदान करती है :—

- (1) कोई भी उपभोग्य सामान चाहे उसका किसी भी प्रकार उल्लेख क्यों न किया गया हो इस खुले सामान्य लाइसेंस की व्यवस्थाओं के अधीन उसे आयात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
- (2) आयातित मर्चें "वास्तविक उपभोक्ता शर्त" के अधीन होंगी।
- (3) निकासी के समय आयातक एयरलाइन और आईएटीए के अंतर्गत वर्तमान सवस्थता के व्यौरों को दशति हुए सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
- (4) आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका से और या वहाँ उत्पादित या विनिर्मित नहीं होने चाहिए।
- (5) भारत को माल का खदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 31 मार्च, 1980 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं।
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त 1 के अधीन होगा।
- (7) इस अकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिसिल सं० आई पी सी 3/8/80 से जारी]

ORDER NO. 15/80

Open General Licence No. 9/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 264(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of

1947), the Central Government hereby gives general permission to Air India, Indian Airlines and other Airlines who are members of the IATA, to import spares, consumables (excluding greases and lubricants covered by Appendix 9 to the Import Policy, 1980-81), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associate test and training equipments, subject to the following conditions :—

- (i) No consumer goods how-so-ever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence ;
- (ii) The imported items shall be subject to the "Actual User condition";
- (iii) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA;
- (iv) The goods imported should not be from and or have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (v) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981 without any grace period, what-so-ever.
- (vi) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (vii) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

आवेष सं० 16/80

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 10/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का०आ० 265 (अ).--आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसमें संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत व्यौरों की मदों का, प्रत्येक मद के सामने समेकित पात्र वास्तविक उपभोक्ताओं द्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़ कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मद के सामने संकेतित मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जाएगा;
- (2) संलग्न अनुसूची में क्रम सं० 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित चिकित्सा औजार आदि, वैज्ञानिक औजार और मोटर व्हीकल तथा कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, पात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उसी वित्तीय वर्ष में पक्षे से ही आयातित ऐसे माल के लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के बारे में, सीमा-शुल्क प्राधिकारी को निकासी के समय घोषणा-पत्र देगा ;
- (3) मोटर व्हीकल और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी को, मोटर व्हीकल अधिनियम, 1939 के अधीन करों के अधीन भुगतान/पट के साथ, सहित, सम्बद्ध व्हीकल या ट्रैक्टर का वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करना होगा ;
- (4) ये माल 31 मार्च, 1981 को या उससे पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो भी हो, भारत को परेषण के जरिये भेजे गए हों ;

(5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त-1 के अधीन होगी ।

(6) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उगके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा ।

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 10/80

दिनांक 15 अप्रैल, 1980

सं०                      मद                      पात्र आयातक, मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य

- |   |   |
|---|---|
| <p>1. भेषज और औषध</p>   | <p>(1) अस्पताल और चिकित्सा संस्थाओं द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा भाड़ा मूल्य 2.5 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ;</p> <p>(2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उसके निजी उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ;</p> <p>(3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा भाड़ा मूल्य 5 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।</p> |
| <p>2. (क) चिकित्सा जिसमें जल्य-चिकित्सा, धाटिकल और दंत चिकित्सा संबंधी औजार उपकरण और यंत्र और बदलाई के पुर्जों और उनके अनुषंगी एवं दंत चिकित्सा सामान भी शामिल हैं ।</p> <p>(ख) आयात-नीति 1980-81 के परिशिष्ट 10 की सूची-5 में वर्णित गयी जल्य चिकित्सा के लिए सीवन और सुईयां ।</p> | <p>(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्थाओं द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा ।</p> <p>(2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।</p>   |
| <p>3. एकसरे इस्टिमेशन स्क्रीन</p>   | <p>अस्पताल और रेडियोलॉजिकल क्लिनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य पांच हजार रुपये से अधिक नहीं होगा ।</p>   |

4. वैज्ञानिक योजन और रसायन विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औपचारिक क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों का साक्ष्य प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का लागत बीमा-भाड़ा मूल्य दस हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।
5. मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों वह व्यक्ति जिनके पास आयातित वाहन/कृषि ट्रैक्टर है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य पांच हजार रुपये तक।
6. जांच उपकरण लाइसेंस प्राप्त रेडियो श्रव्यवसायियों द्वारा उनके स्वयं के प्रयोजन के लिए, बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष में आयातित ऐसे माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य दस हजार रुपये से अधिक नहीं होता है इस संबंध में एक साक्ष्य कि आयातक एक लाइसेंस प्राप्त श्रव्यवसायी है, माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क कार्यालय को प्रस्तुत किया जाएगा।

[मिसिल सं० 3/8/80 से जारी]

## ORDER NO. 16/80

Open General Licence No. 10/80  
New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 265(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions :—

(1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified;

(2) In the case of medical instruments, etc., scientific instruments and chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors, referred to at Serial No. 2, 4, 5 and 6 in the annexed Schedule, the eligible importer shall, at the time of clearance, give a declaration to the customs authority about the c.i.f. value of such goods already imported under this provision in the same financial year;

(3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of upto date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939;

(4) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1981, without any grace period, what-so-ever;

(5) The licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(6) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported.

[Issued from File No. IPC/3/8/80]

Schedule to OGL No. 10/80 Dated the 15th April, 1980

No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
1.	Drugs and medicines	(i) Hospitals and medical institutions, for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty-five thousand rupees; (ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one thousand rupees; and (iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousands rupees.
2(a)	Medical including surgical, optical and dental, instruments apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and dental materials.	(i) Hospitals and medical institutions, for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed one lakh rupees, in a financial year.
(b)	Sutures and needles or surgical purpose appearing in List 5 in Appendix 10 of Import Policy, 1980-81	(ii) Registered medical practitioners, for their own use, provided the c.i.f. of such value such goods imported shall not exceed five thousands rupees in a financial year.
3.	X-Ray intensifying screens	Hospitals and radiological clinics, for their own use, provided the c. i. f. value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousand rupees.
4.	Scientific and measuring instruments and chemicals.	Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to which effect evidence shall be produced to the customs authorities), provided the f.i.f. value of such goods imported shall not exceed rupees ten thousand, in a financial year.
5.	Spare parts of motor vehicles and agricultural tractors.	Persons owning imported vehicles/agricultural tractors, for their own use, upto a c.i.f. value of rupees five thousand in financial year.
6.	Testing instruments.	By licensed Radio Amateurs for their own purposes, provided the c.i.f. value of such goods imported in a financial year does not exceed rupees ten thousand.

No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
		Necessary evidence to the effect that the importer is a licensed amateur shall be produced to the customs at the time of clearance of goods.

आदेश सं० 17/80

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 11/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० आ० 266(अ) :—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एकीकृत इस्पात परियोजनाओं, छोटी इस्पात परियोजनाओं और विद्युतीय चाप भट्टियों द्वारा (क) स्टोपर हेड्स और नोजलज और (ख) ताबे के सांघों (लगातार बिलेट को बलाई के लिए) का दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन प्रदान करती है :—

- (1) इस तरह आयात किए जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित नहीं किया गया हो या विनिर्मित नहीं किया गया हो ;
- (2) ऐसे माल का बिना किसी अवधि, रियायती अवधि, जो भी हो, 31 मार्च, 1981 को या इससे पहले प्रेषण के द्वारा पोतलदान हो गया है ;
- (3) आयात "वास्तविक उपभोक्ता" शर्त के अधीन होगा ; और
- (4) इस लाइसेंस में विषयाधीन माल के आवेदन पर किसी भी लागू अन्य प्रतिबंध या विनियमन का ऐसे माल का आयात करते समय कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[मिसिल सं० आई पी सी/3/80 से जारी]

ORDER NO. 18/80

Open General Licence No. 12/80

New Delhi, the 15th April, 1980

S.O. 266(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Import and Export (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import by integrated steel plants, mini steel plants and electric arc furnaces of (a) stopper heads and nozzles and (b) copper moulds (for continuous billet casting), from any country except Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :—

- The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981, without any grace period, what-so-ever;
- In the case of of spare parts of motor vehicles, and agriculture; and
- Nothing in this Licence shall affect the application to the goods, in question, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० 18/80

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 12/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० आ० 267(अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी

अफ्रीका के अतिरिक्त किसी भी देश के सरकारी विभागों (केन्द्रीय अथवा राज्य), अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना में उपस्कर, मशीनरी और फालतू पुर्जों के भारत में आयात की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) भारत सरकार और सम्बन्धित विदेशी सरकार के बीच समझौते के अनुसार, विषयाधीन माल का निःशुल्क आयात किया जाता है,
- (2) आयातित माल भारतीय सरकार और सम्बन्धित विदेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार है, और इस सम्बन्ध में प्रशासनिक मंत्रालय अथवा सम्बन्धित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा ।
- (3) ऐसे माल का प्रेषण द्वारा भारत में 31 मार्च, 1980 को अथवा उससे पूर्व, बिना किसी नियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो, लदान किया जाता है ।
- (4) ऐसा माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पन्न अथवा विनिर्मित नहीं हो, और
- (5) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

2. इस लाइसेंस के अन्तर्गत दो सरकारों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत जाने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यक्तिगत सामान के आयात की अनुमति भी, निकासी के समय प्रशासनिक मंत्रालय अथवा सम्बन्धित परियोजना प्राधिकारी का इस सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि आयातित माल (जिमका व्यौरा प्रमाणपत्र में दिया जाता है) भारत सरकार के सम्बन्धित विदेशी सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार किया गया है । आयात इस शर्त पर भी होगा कि ज्यों ही सम्बन्धित विदेशी विशेषज्ञ अपना कार्य पूर्ण कर भारत से जाने लगे तो (उपभोज्य माल से भिन्न) अन्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा ।

[मिसिल संख्या आई०पी०सी०/3/8/80 से जारी]

ORDER NO. 18/80

Open General Licence No. 12/80

New Delhi, the 15th April, 1980

S.O. 267(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Government, subject to the following conditions :—

- The goods, in question, are imported free of cost in pursuance of an Agreement between the Government of India and the foreign Government concerned ;
- The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned, and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the customs authorities at the time of clearance;
- Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981, without any grace period what-so-ever;
- The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa; and

- (v) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imposed.

Under this Licence, import will also be allowed of persons effect of foreign experts coming to India under Government-to-Government Agreement for the execution of a project in India, on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are re-exported as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of this assignment.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० 19/80

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 13/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० प्रा० 268(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रत्न एवं आभूषण और स्वर्णकार एवं शिल्पकारों की सहायक समितियों के पंजीकृत निर्यातकों द्वारा आयात नीति 1980-81 के परिशिष्ट 10 की सूची 1 में वर्गीकृत रत्न और आभूषण के उद्योग के लिए अपेक्षित मशीनरी, उपकरण, पनीक्षण उपकरण और यंत्र का आयात करने के लिए दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

- (1) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा,
- (2) रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को अपने पंजीकरण का विवरण देते हुए इस सम्बन्ध में एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा कि वह रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद् के पास निर्यातक के रूप में पंजीकृत है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है अथवा वापस किया गया है अथवा अन्यथा रूप से प्रभावी है। स्वर्णकारों और शिल्पकारों की सहायक समिति इसी प्रकार से सहायक समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणापत्र प्रस्तुत करेगी।
- (3) इस प्रकार का आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा त्रिनिमित नहीं है।
- (4) ये माल 31 मार्च, 1981 का अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाए जा रहे भी हों, भारत को परेषण के माध्यम से भेजे जाते हैं।
- (5) यह अनुमति आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त (1) के भी अधीन होगी।
- (6) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिसिल सं० आई०पी०सी०/3/8/80 से जारी]

ORDER NO. 19-80

Open General Licence No. 13/80

New Delhi, the 15th April, 1980

S.O. 268(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947, (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of machinery, equipment, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery industry, appearing in List 1 of Appendix 10 of the Import Policy, 1980-81, by Registered Exporters of gem and jewellery and Co-operative Societies of goldsmiths and artisans, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions:—

- (1) The import shall be subject to "Actual User" condition;
- (2) Registered Exporter of Gems and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of his registration as an exporter with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. A cooperative Society of goldsmiths and artisans will likewise, furnish a declaration about its registration as Co-operative Society;
- (3) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (4) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March, 1981, without any grace period, what-so-ever;
- (5) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

आदेश संख्या-20/80

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-14/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० प्रा० 269(अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण), अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन (क) सरकारी औद्योगिक संस्थान (विभागों द्वारा परिचालित) (ख) रेलवे (ग) सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य विद्युत् बिजली बोर्ड/परियोजना संस्थान और (घ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों को कच्चा माल, संघटक, उपभोग्य एवं फालतू पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है:—

1. सरकारी औद्योगिक संस्थानों (विभागों द्वारा परिचालित किन्तु इनमें रक्षा संस्थान शामिल नहीं है) और रेलवे के मामले में कच्चा माल संघटक, उपभोग्य एवं फालतू पुर्जों को खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात करने की अनुमति होगी, बशर्ते कि:—

- (1) आयात नीति 1980-81 के परिशिष्ट 3 और 6 के अधीन आने वाली निषेध मदों के आयात के लिए महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली से देशी विकासी प्राप्त कर ली हो,
- (2) जहां 5 लाख रुपये या इससे अधिक के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य की इलेक्ट्रॉनिक मदें जिनमें प्रतिकृति उपकरण भी शामिल हों और मूल्य को ध्यान में रखे बिना समुद्रीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व उनके पुर्जों का आयात शामिल हो वहां इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली से निकासी प्राप्त कर ली हो,

- (3) प्रशासकीय मंत्रालय/वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मुद्दे आयात किया गया हो, और

- (4) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारी को उपर्युक्त (1), (2) और (3) के लिए आवश्यक माध्य प्रस्तुत किए गए हों,

(2) सार्वजनिक क्षेत्र के राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना संस्थानों के मामले में फालतू पुर्जों का आयात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमय होगा बशर्ते कि :—

- (1) इस उद्देश्य के लिए आयात, सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मुद्दे किया गया हो,

- (2) गैर अनुमय फालतू पुर्जे अर्थात् जो 1980-81 की आयात नीति के परिशिष्ट 3 में आते हैं उनके लिए देशी निकासी महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हों,

- (3) जहाँ 5 लाख रुपये के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य या इनसे अधिक मूल्य की इलेक्ट्रॉनिक मशीनों का आयात शामिल हो वहाँ निकासी इलेक्ट्रॉनिक विभाग नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो, और

- (4) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की उपर्युक्त (1), (2) और (3) के आवश्यक माध्य प्रस्तुत किए गए हों।

- (3) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों के लिए निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे :—

- (1) कच्चा माल संघटकों, उपभोध्य और फालतू पुर्जों का आयात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात नीति 1980-81 में उल्लिखित शर्तों के आधार पर अनुमय होगा, देखें आयात नीति 1980-81 के परिशिष्ट 10 की मद संख्या 1, 2, और 4,

- (2) अनुसंधान एवं विकास एकक कच्चा माल और अन्य माल आयात करने के लिए आयात नीति 1980-81 में उल्लिखित शर्तों के आधार पर प्राप्त होंगे, देखें आयात नीति 1980-81 के परिशिष्ट 10 की मद संख्या-5,

- (3) आयात का कुल मूल्य, रक्षा मंत्रालय द्वारा ऐसे आयात के लिए 1980-81 वर्ष के दौरान सम्बद्ध औद्योगिक एककों को आवंटित विदेशी मुद्रा से अधिक नहीं होना चाहिए और सीमा-शुल्क द्वारा निकासी के समय आयातक को इस आशय का घोषणा पत्र देना चाहिए कि निकासी के अधीन/पहले से ही निकासी किए गए माल का मूल्य, रक्षा मंत्रालय द्वारा इस उद्देश्य के लिए 1980-81 में आयातक एकक को रिहा की गई कुल विदेशी मुद्रा की राशि से अधिक नहीं है।

- (4) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका में विनिर्मित या उत्पादित नहीं हुआ है।

- (5) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से 31-3-81 को या इससे पहले जहाज पर लाया गया हो और कच्चे माल, संघटक और उप-भोध्य के मामले में उन पक्के आदेशों के मद्दे जिनके लिए 28-2-81 को या इससे पूर्व अपरिवर्तनीय साखपत्र खोले गए हों माल 30-6-81 को या इससे पूर्व जहाज पर लाया गया हो, या फालतू पुर्जों के मामले में की गई पक्की संविदाओं और बिना किसी रियायत अवधि के जो भी हों, 28-2-81 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के पास पंजीकृत के मद्दे इनका लदान 31-3-82 को या इससे पूर्व हुआ हो।

- (6) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मिशन संख्या आई पी सी/3/8/80 से जारी]

ORDER NO. 20/80

Open General Licence No. 14/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 269(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission to (a) Government Industrial Undertaking (Departmentally-run), (b) Railways, (c) State Electricity Boards/Projects/Undertakings, in the public sector, and (d) Public Sector Industrial Undertakings, under the Ministry of Defence, to import raw materials, components, consumables and spares, from any country except the Union of South Africa/South-West Africa, subject to the following conditions :—

(1) In the case of Government Industrial Undertakings (Departmentally-run) excluding however, Defence Undertakings, and Railways import of raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL provided :—

- (i) For import of banned items covered by Appendices 3 and 6 of the Import Policy, 1980-81, indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi;

- (ii) Where import of any electronic items including facsimile equipment for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronic equipment and parts irrespective of value is involved clearance has been obtained from the Deptt. of Electronics, New Delhi;

- (iii) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs); and

- (iv) necessary evidence of (i), (ii) and (iii) above is produced to the customs authority at the time of clearance.

(2) In the case of State Electricity Boards/Projects/Undertakings, in the public sector, import of spares only will be allowed under OGL, provided :—

- (i) Import is made against foreign exchange released by the Government for the purpose;

- (ii) in respect of non-permissible spares i.e. those covered by Appendix 3 of the Import Policy, 1980-81, indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi;

- (iii) where import of any electronic items for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more is involved, clearance has been obtained from the Deptt. of Electronics, New Delhi; and

- (iv) necessary evidence of (i), (ii) and (iii) above is produced to the customs authority at the time of clearance.

(3) In the case of public sector Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, the following provisions will apply :—

- (i) import of raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL vide items Nos. 1, 2 and 4 of Appendix 10 of the Import Policy 1980-81 subject to the conditions laid down therein;

- (ii) R & D units will be eligible to import raw materials and other items vide item No. 5 in App. 10 of the Import Policy, 1980-81 subject to the conditions laid down therein;

- (iii) the total value of imports shall not exceed the foreign exchange allotted to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the year 1980-81; and at the time of clearance through customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance/already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned in 1980-81.



(4) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South-West Africa.

(5) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1981 or in the case of raw materials, components and consumables, the goods are shipped on or before 30-6-1981 against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened on or before 28-2-1981, or in the case of spares these are shipped on or before 31-3-1982, against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) or before 28-2-1981, without any grace period, whatsoever.

(6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० : 21/80

कुला सामान्य लाइसेंस सं० 15/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

क्र० आ० 270(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अन्तर्गत प्रबल अधिकारी का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्वारा इस आदेश में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट विवरण के माग का दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :—

- (1) क्रम सं० 1 में शामिल "अध्यापन सहायक" के मामले को छोड़कर, इस आदेश में संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मदें किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टाक करने और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती हैं।
- (2) "अध्यापन सहायक" के मामले में आयात की अनुमति केवल मान्यता प्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों, इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों अनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई औद्योगिक यूनिटों, पंजीकृत चिकित्सकों, अस्पतालों, परामर्शदाताओं, मान्यताप्राप्त वाणिज्य मण्डलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबन्ध संघों और व्यवसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए दी जाएगी।
- (3) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों के आयात के मामले में निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :—

- (क) शिक्षा व समाज कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली से पहले ही लिखित रूप में निकासी की अनुमति लिए बिना एक लाइसेंस अवधि के दौरान एक ही शीर्षक की 1000 प्रतियों से अधिक के आयात की अनुमति एक ही आयातक (उसकी शाखाओं सहित) को नहीं दी जाएगी। लेकिन, यह प्रतिबन्ध अंग्रेजी भाषा पुस्तक सोसाइटी शीर्षकों और संयुक्त भारत रूस पाठ्य पुस्तक कार्यक्रम के अंतर्गत पुस्तकों के लिए लागू नहीं होगा।
- (ख) विदेशी संस्करण की उन पुस्तकों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी जिनके भारतीय पुनर्मुद्रण के अधुनातन-संस्करण उपलब्ध हैं।
- (ग) भारतीय समुद्र तट के केवल ऐसे नौ परिवहन संबन्धी बाटों के आयात की अनुमति दी जाएगी जिनकी मुख्य हाइड्रोग्राफर, भारत सरकार, देहरादून द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो।

(घ) अश्लील सामग्री वाली या यौन चित्रण करने वाली या हिंसा भड़काने वाली पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार पत्रिकाओं को आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (4) औषध मदों के मामले में जहाँ कहीं आवश्यक हो, औषध एवं नाज शृंगार सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन वैध लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।
- (5) खजूर, होम्योपैथिक औषधियों, कैसर निरोधक भेषजों, जीवन रक्षक भेषजों और अपरिष्कृत भेषजों के मामले में परम्परागत छोटे पैकिंग में भी आयात अनुमति होगा।
- (6) अनुसूची की मद सं० 14, 15 और 16 पर उल्लिखित मसालों, मेवों और खजूरों के मामले में आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (नॉटि-3 अनुभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली को निम्नलिखित प्रपत्र में एक तैमामिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा :
  1. आयातक का नाम और पता
  2. आयात की गई पथ्य वस्तु का विवरण
  3. सीमा-शुल्क से निकासी की तिथि
  4. आयातित मात्रा
  5. आयात किए गए मास परेषण का कुल सागत—सीमा-भाटा मूल्य
  6. यूनिट कीमत (रुपयों में)

प्रत्येक तिमाही की रिपोर्ट सम्बद्ध तिमाही के अगले महीने की 15 तारीख तक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को पहुँच जानी चाहिए।

- (7) इस प्रकार आयात किया गया मास दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित या विनिर्मित न हो
- (8) एम। मास भारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1981 को या इससे पहले पीत पर लादा गया हो।
- (9) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।
- (10) यदि किसी मास के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई निषेध या विनियम होगा तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा।

[मिसिल सं० आईपीसी/3/8/80 से जारी]

कुला सामान्य लाइसेंस  
के लिए अनुसूची

15/80, बिनांक 15 अप्रैल, 1980

1 निम्नलिखित अध्यापन सहायक :

- (1) शैक्षिक प्रकृति की माइक्रोफिल्म और माइक्रो-फिचिज
- (2) शैक्षिक प्रकृति के प्री-रिकॉर्डिड कैसेट्स, फिल्म स्ट्रिप्स, सहित या रहित, 2. ब्रेल टाइपराइटर सहित अन्धे व्यक्तियों के लिये अपेक्षित औजार और उपकरण
3. शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकें और पत्रिकाएँ, समाचार पत्रिकाएँ और समाचार पत्र
4. नैटम छाल, चमड़ा कमाने के लिये
5. अम्ल मार्जित चमड़ा, खाल, पेल्ट, स्पलिट और उनके त्वाग
6. चमड़ा और खाल, कच्ची या लबणित, जिस मामले में चपड़े और खाल का मूल्य उन पर/उन बालों से अधिक हो
7. क्वेबराचो सत, चेस्टनट सत और परिशोधित यूकेलिप्टस सत (मार्टिन)
8. आयात-नीति 1979-80 के परिशिष्ट-10 की सूची-2 में मामले वाले जीवन बायक उपस्कर और उनके फालतू पूर्ण

9. परिवार कल्याण उपस्कर/यंत्र, उपकरण अर्थात् निम्नलिखित :—

- (1) (क) मेग्रीस्कोप
- (ख) कलडस्कोप
- (ग) हिस्टेरोस्कोप
- (घ) वैक्युम संकथन अपरेटम
- (ङ) उनके उपसाधित्र और फालतु पुर्जे भी, और
- (2) खड़ कंट्रासेप्टिव (केवल डायफ्रामम्)
- (3) यंत्र (लपट-लूप और सीयुटी 200 से मिन) रंगीन कन्डोम्स, डायफ्रामम् जेली और फोम टिक्विया, भारत के शोध नियंत्रक नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित।

10. आयात-नीति 1980-81 के परिशिष्ट 10 की सूची सं० 3 में आने वाले परिष्कृत भेषज प्रिपेरेशन, जीवन-दायक और कैमररोधी भेषज।

11. परिष्कृत रूप में होम्योपैथिक औषधियां या मूल रूप में और/या किसी भी पाटेन्सी में होम्योपैथिक भेषज (सिंगल) दुग्ध, चीनी सहित थोक में और बायोकेमिक औषधियां।

12. आयात-नीति 1980-81 के परिशिष्ट-10 की सूची सं० 4 के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिये अपेक्षित अपरिष्कृत भेषज (जेड, मोलियों और मोगों के आयात की अनुमति केवल पूर्ण रूप में और केवल गैर-आभूषण किस्म के लिये दी जाएगी)।

13. दाल।

14. निम्नलिखित मसाले :—

- (1) बाल-चीनी/तिजपाल
- (2) जायफल/जाबिदी
- (3) लौंग

15. काजू की छोड़कर सूखे फल

16. खजूर (शीले या सूखे) (भारतीय पोत आधाराएँ द्वारा आयातित)

17. सेंधा नमक

18(i) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्मों (चिकित्सा)

- (1) साइन एग्नाथोग्राफिक फिल्में
- (2) कापिंग फिल्में
- (3) दन्त्य एक्स-रे फिल्म
- (4) बिना स्क्रीन के उपयोग की जाने वाली फिल्में
- (5) लो-डोज मेमोग्राफिक फिल्में
- (6) मास मिनिग्वर फिल्म
- (7) इलिकेटिंग फिल्मों के लिये 3.5 मि०मी० नेगेटिव और रिव-सेल किस्म की फिल्म
- (8) परमोनल मोनिटरिंग फिल्में
- (9) चेन्सों के उपयोग के लिये विशेष किस्म की एक्स-रे फिल्में
- 18(ii) शोधोगिक एक्स-रे फिल्में
- (iii) एरोग्राफिक फिल्में
- (iv) ड्राइंग रिप्रोडक्शन फिल्में
- (v) माइक्रोफाइल फिल्में
- (vi) इन्फा-रेड और अल्ट्रा-वायलेट फिल्में
- (vii) ग्रेफाइट आर्ट फिल्में

19. एल्युमीनियम कतरन

20. पीतल की कतरन/राख/घातु-मल

21. तांबा कतरन

22. सीसा कतरन

23. जस्ता/जस्ता मिश्रधातु कतरन

24. हाथ षड़ी/बीवार षड़ी और टाईम-मीस के लिये स्नेहक तेल

25. बबूल का गोंद

26. बिस्कास फ्लामेट यार्न, 600 डेनियर तक

27. कपरेमोनियम फ्लामेट यार्न

28. शैक्षणिक और उपदेश संबंधी छोटी फिल्में, यदि वे फिल्मों में सेर बोर्ड द्वारा "प्रधानतः शैक्षिक" सत्यापित की गई हों।

29. फोटोग्राफिक फिल्मों (रंगीन)

30. फोटोग्राफिक कलर पेपर

31. भाषा सीखने के लिये रिकार्ड

32. निम्नलिखित के फालतु पुर्जे जो परिशिष्ट 3 और 5 में शामिल नहीं हैं :—

- (1) भुवण मशीनरी
- (2) मशीन औजार; धातु, लकड़ी, कांच और प्लास्टिक को काटने, रूप देने, घसने और पॉलिश करने के लिये; किसी भी मानक या अनुपयोगी उपस्कर सहित
- (3) मिनेमैटोग्राफिक उपस्कर; और
- (4) (क) केवल शीर्षक सं० 84.22, 84.23 और 87.02 के अन्तर्गत आने वाली किस्मों की मुद्राही मशीनरी परन्तु इसमें उनके प्राश्म-सूचक और उनके पुर्जे शामिल नहीं हैं (ख) शीर्षक सं० 84.06 में शामिल 75 अथवा शक्ति से ऊपर के अन्तर रहन इंजिन।

ORDER NO. 21/80

OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 270(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, subject to the following conditions :

(1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1, all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale purposes ;

(2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government departments, industrial units engaged in research and development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised Chambers of Commerce, productivity councils, management associations and professional bodies, for their own use ;

(3) In the case of import of educational, scientific and technical books, the following conditions shall apply :

- (a) Import will not be permitted by any one importer (including his branches) of more than 1,000 copies of a single title during the licensing period without the prior written clearance of the Ministry of Education and Social Welfare, New Delhi. This restriction will not, however, apply to the English Language Book, Society titles and books under the Joint Indo-Soviet Text Book Programme ;
- (b) Import of foreign edition of books for which editions of Indian reprints are available, will not be allowed ;
- (c) Import of only such navigational charts of Indian Coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun ;
- (d) Books, magazines and journals, containing pornographic materials or depicting sex, violence etc. will not be allowed to be imported.

(4) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, wherever necessary, should be complied with;

(5) In the case of dates homoeopathic medicines, anticancer drugs, life saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing;

(6) In the case of spices, dry fruits and dates referred to at item Nos. 14, 15 and 16 in the Schedule, the importer shall furnish to the Chief Controller of Imports & Exports (Policy III Section), Udyog Bhavan, New Delhi, quarterly reports of imports in the following proforma :—

1. Name & Address of the importer.
2. Description of the commodity imported.
3. Date of clearance through customs.
4. Quantity imported.
5. Total c.i.f. value of the consignments imported.
6. Unit price (in rupees)

The report in respect of each quarter should reach the Chief Controller of Imports & Exports by the 15th day of the month following the concerned quarter.

(7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa.

(8) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981, without any grace period, whatsoever;

(9) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955;

(10) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

#### SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE No. 15/80

Dated, the 15th April, 1980

1. Teaching Aids, the following :
  - (i) Microfilms and Microfiches of educational nature ;
  - (ii) Pre-recorded video and audio cassettes of educational nature, with or without film strips.
2. Instruments and equipment required by blind, including Braille typewriters.
3. Educational, scientific and technical books and journals, news-magazines and newspapers.
4. Wattle Bark for tanning leather.
5. Picked hides, skins, pelts, splits and parts thereof.
6. Hides and skins, raw or salted where the value of hides and skins is more than that of wool/hair thereon.
7. Quebracho extract, chestnut extract and modified eucalyptus extract (Myrtan).
8. Life Saving Equipment appearing in list No. 2 of Appendix-10 of Import Policy, 1980-81 and their spares.
9. Family welfare equipment/instruments, appliances, namely the following :—
  - (i) (a) Laproscope ;
  - (b) Culscope ;
  - (c) Hysteroscope ;
  - (d) Vacuum Suction apparatus ;
  - (e) as well as their accessories and spares ; and
  - (ii) Rubber contraceptive (diaphragms only) ;
  - (iii) Intrauterine Contraceptive Devices (other than the Lippes Loop and Cu-T2003, coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by Drugs Controller of India, New Delhi.

10. Finished drug preparations, life saving and anti cancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 10 of the Import Policy for 1980-81.

11. Homoeopathic medicines in finished form or Homoeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including 'Sugar of Milk' in bulk and biochemic medicines.

12. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 in Appendix 10 of Import Policy for 1980-81. (Import of jade, pearls, and corals will be allowed only in powder form and of non-jewellery quality only).

13. Pulses.

14. Spices, the following :

- (i) Cinnamon/Cassia,
- (ii) Nutmeg/mace,
- (iii) Clove.

15. Dry fruits excluding Cashewnuts.

16. Dates (wet or dry) (imported by Indian Sailing Vessels).

17. Rock Salt.

18. (i) X-ray films (medical), the following :

- (1) Cine angiographic films.
- (2) Copying films.
- (3) Dental X-ray film.
- (4) Films for use without screens.
- (5) Lo-dose mammographic films.
- (6) Mass miniature film.
- (7) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
- (8) Personal monitoring films.
- (9) Special types of X-ray films used for changers.

(ii) Industrial X-ray films.

(iii) Aerographic films.

(iv) Drawing reproduction films.

(v) Microfilm films.

(vi) Infra-red and Ultra-violet films.

(vii) Graphic art films.

19. Aluminium scrap.

20. Brass scrap/Ash/Dross.

21. Copper scrap.

22. Lead scrap.

23. Zinc/Zinc alloy scrap.

24. Lubricating oils for watches, clocks and time pieces.

25. Gum Arabic.

26. Viscose filament yarn upto 600 deniers.

27. Cupramonium filament yarn.

28. Educational and instructional short films, if certified by the Board of Film Censors to be "predominantly educational".

29. Photographic films (colour).

30. Photographic colour papers.

31. Records for learning of languages.

32. Spares, except those included in the Appendix 3 & 5 of :—

(a) Printing machinery,

(2) Machine tools, for cutting, forming, abrading & polishing metals, wood, glass and plastics, including any standard or ancillary equipment.

(3) Cinematographic equipment, and

(4) (a) Earthmoving machinery only of the types falling under Heading Nos. 84.22, 84.23 and 87.02 excluding however, their prime movers & parts thereof and (b) internal combustion engines above 75 HP covered by Heading No. 84.06.

आदेश संख्या-22/80

कुला सामान्य लाइसेंस संख्या-16/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का०आ० 271(अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पशुधारा कृषि विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित पाल्टी फार्म/अण्डज शालाओं को (क) पाल्टी वैक्सीन (सभी प्रकार के), और (ख) उच्च ध्वेणों की मोलिब्डेनम अयस्क और मोलिब्डेनम धातु (कठरन सहित)/मोनिब्डिक आक्साइड/मोलीब्डेनम आक्साइड (ग) उपयोग किये गये रबर के टायरों की कठरन, (घ) नाइलन रद्दी और (ङ) कागज की रद्दी को इन मदों की आवश्यकता वाले किसी भी औद्योगिक एकक को दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति देती है।—

(1) पाल्टी वैक्सीन के आयात के मामले में:—

(1) सीमा शुल्क से माल की निकासी के समय आयातक कृषि विभाग, नई दिल्ली से या सम्बद्ध राज्य के पशुपालन/पशु चिकित्सा सेवाओं से सम्बद्ध पार्टी के लिये सामग्री विवरण/मात्रा/मूल्य की अनिवार्यता के सम्बन्ध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा,

(2) आयातित माल सम्बद्ध पाल्टी फार्म/अण्डजशालाओं के पास "वास्तविक उपयोगिता" की शर्त के अधीन होगा,

2. उपयोग किए गए/कठरन रबर टायरों के मामले में आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जबकि निर्यात करने वाले देश से पोलिसादन होने से पहले या सीमा शुल्क प्राधिकारी से निकासी करने से पहले ऐसा प्रत्येक टायर कम से कम एक कट से प्रभावित हो। इस मद के लिये केवल रबर सुधार में लगे हुए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) ही पात्र आयातक होंगे।

3. नाइलन रद्दी के मामले में केवल वे वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) ही पात्र आयातक होंगे जो कैपरोलैक्टम की प्रति-प्राप्ति में लगे हुए हों और सीमा शुल्क प्राधिकारी से माल की निकासी के समय इस सम्बन्ध में महानिदेशालय, तकनीकी विकास में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जाएगा।

4. कागज की रद्दी के मामले में केवल वे वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) पात्र आयातक होंगे जो लुग्दी, कागज और गत्ते के विनिर्माण में लगे हुए हों।

5. माल की निकासी के समय सम्बद्ध प्राधिकारी के साथ एक औद्योगिक संस्थान के रूप में अपने लाइसेंस/पंजीकरण का ब्यौरा देने हुए और यह शपथ लेते हुए आयातक औद्योगिक एकक एक घोषणापत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रभावी किया गया है। जिन मामलों में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग पंजीकरण संख्या आवंटित न की गई हो उद्योग आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों को संतुष्टि के लिए यह अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि वह औद्योगिक एकक के रूप में अनुज्ञप्त/पंजीकृत है।

6. प्रायोजक प्राधिकारी के साथ अनन्तित पंजीकरण रखने वाला वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) भी इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए पात्र होगा।

7. आयातक इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किए गए माल के उपयोग और उपयोग का लेखा निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से रखेगा और उस लेख को ऐसे समय के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी को या अन्य सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इन प्राधिकारियों द्वारा निश्चित किया जाए।

8. इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात की गई मदों के विवरण और मूल्य को निश्चित करते हुए आयातक आवधिक विवरणपत्र प्रायोजक प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा यह विवरण पत्र 31 अगस्त, 1980 और 28 फरवरी, 1981 की स्थिति के अनुसार भेजे जाएंगे। ऐसे प्रत्येक

विवरण पत्र निश्चित अवधि की समाप्ति से 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

9. इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हो।

10. ऐसा माल किसी भी रियायती अवधि, चाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना 31 मार्च, 1981 को या इससे पहले परेषण के माध्यम से भारत के लिए लादा गया हो।

11. यह लाइसेंस आयात नियंत्रण आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त संख्या-1 के भी अधीन होगा।

12. किसी माल के लिए उसके आयात की प्रभावी करने वाला कोई अन्य विषय या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

13. अन्य कानून या विनियमों के अन्तर्गत वास्तविक उपयोगिता को जो अनिवार्यता या अनुपालन पूर्ण करने हैं यह लाइसेंस उनसे कोई उन्मुक्ति, छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उपबन्धों का पालन करना चाहिए जो उन पर लागू हैं।

[मिगिल संख्या-आई०पी०सी०/3/8/80 में जारी]

ORDER NO. 22/80

OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 271(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of (a) poultry vaccines (all types) by poultry farms/hatcheries approved by the Department of Agriculture, Government of India, New Delhi; and (b) high grade molybdenum ore and molybdenum metal (including scrap)/molybdenic oxide/molybdenum, oxide, (c) used/scrap rubber tyres, (d) Nylon waste and (e) paper waste, by industrial units requiring these items, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions:—

(1) In the case of import of poultry vaccines,—

(i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the customs, furnish a certificate from the Department of Agriculture, New Delhi or the concerned State Director of Animal Husbandry/Veterinary Services, regarding the essentiality of the material (description/quantity/value) to the party concerned;

(ii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm/hatchery concerned.

(2) In the case of used/scrap rubber tyres, import will be allowed only if each such tyre has been subjected to atleast one cut before shipment from the exporting country or before clearance from the customs. The eligible importers for this item will be only Actual Users (Industrial) engaged in reclaiming rubber.

(3) In the case of nylon waste, the eligible importers will be only Actual Users (Industrial) engaged in the recovery of caprolactum and a certificate from the Directorate General of Technical Development, New Delhi shall be produced to this effect at the time of clearance through the customs.

(4) In the case of paper waste, eligible importers will be only Actual Users (Industrial) engaged in the manufacture of pulp, paper and paper board.

(5) At the time of clearance of goods, the importer industrial unit shall furnish to the customs authority, a declaration giving particulars of its licence/registration as an industrial undertaking with the concerned authority, and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases, where separate

registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit.

- (6) Actual Users (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import under this licence.
- (7) The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (8) The importers shall submit to the sponsoring authority concerned, periodical returns indicating the description and the value of the items imported under this licence. These returns shall be furnished as on 31st August, 1980 and 28th February, 1981. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated.
- (9) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1981, without any grace period, whatsoever.
- (11) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Import (Control) Order, 1955.
- (12) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (13) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[Issued from file No. IPC/3/8/80]

आदेश सं० 23/80

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1980

का० प्रा० 272(अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग

कर केन्द्रीय सरकार एनद्वारा आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश का निर्माण करती है:—

- (1) इस आदेश को आयात (नियंत्रण) द्वितीय संशोधन आदेश, 1980 की संज्ञा दी जाए।
- (2) आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 में—
  - (i) उप-धारा 11 (i) (जी० जी०) में वर्तमान उप-मद (v) के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:—  
“(vi) अलकोहल वाले पेय पदार्थ”
  - (ii) अनुसूची III, प्रावधान (2) उप-मद सं० (ii) के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा:—  
“(iii) खंडों में लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदनपत्र।”
  - (iii) अनुसूची-III के प्रावधान (4)(ख)(iii) की प्रथम पंक्ति में आए हुए “जिला” शब्द को “स्थान” शब्द द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[निमित्त सं० आई०टी०सी० (एच०बी०)/अध्याय I/80-81 से जारी]  
सी० वेंकटरामन, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

ORDER No. 23/80

New Delhi, the 15th April, 1980

**S.O. 272(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Imports (Control) Order, 1955,—

- (1) This Order may be called the Imports (Control) Second Amendment Order, 1980.
- (2) In the Imports (Control) Order, 1955—
  - (i) In sub-clause 11(1)(gg), after the existing sub-item (v), the following shall be inserted:—  
“(vi) Alcoholic beverages.”
  - (ii) In Schedule III, in proviso (2), after sub-item (ii), the following shall be inserted:—  
“(iii) an application for the grant of split-up licence.”
  - (iii) In Schedule III, in proviso (4)(b)(iii), the word ‘district’ appearing in first line shall be substituted by the word “place”.

[Issued from File No. ITC(HB)/Chapter 1/80-81]

C. VENKATARAMAN, Chief Controller  
of Imports and Exports.

